Felicitation By The Speaker

On Successful Conduct of The G20 Summit

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए पूरे देश को बधाई देते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस आयोजन की सफलता ने प्रत्येक भारतीय को गर्व से भर दिया है। इसने वैश्विक स्तर पर देश की नेतृत्व की क्षमता को एक नया आयाम दिया है।

मैं इस आयोजन को आम जनों का आयोजन बना देने की माननीय प्रधान मंत्री के विज़न की सराहना करता हूं। भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें हुईं, जो अभूतपूर्व हैं। दुनिया भर से आए 42 प्रतिनिधिमंडलों के साथ जी-20 नई दिल्ली लीडर समिट अपने आकार, भव्यता और प्रभाव में अभूतपूर्व था। इससे विश्व को भारत की विविधता, लोकतान्त्रिक शक्ति और प्रतिभा को देखने का अवसर मिला। भारत की जी-20 अध्यक्षता समावेशी, आकांक्षी, कार्य-उन्मुख, निर्णायक और जन

केंद्रित रही है । जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में लिए गए निर्णय परिवर्तनकारी हैं और ये आने वाले दशकों में वैश्विक व्यवस्था को नया रूप देने में सहायक होंगे ।

माननीय प्रधानमंत्री जी के विज़न और मार्गदर्शन में जी-20 नई दिल्ली लीडर समिट घोषणापत्र को सर्वसम्मति से अपनाया गया और संवेदनशील मुद्दों पर भी सबकी सहमति बनी । विश्व स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि भारत के नेतृत्व एवं सक्रिय प्रयासों के कारण वैश्विक उत्तर-दक्षिण के बीच की दूरी को पाटने और पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण को नियंत्रित करने में सफलता मिली । यह विश्व में भारत के ऊंचे कद और बढ़ती प्रतिष्ठा तथा इस सरकार द्वारा पिछले नौ वर्षों में किए गए कार्यों को दर्शाता है । माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को जो वैश्विक सद्भावना प्राप्त हुई है, यह उसी का प्रमाण है । यह इस बात की भी स्वीकृति है कि कई प्रकार के विभाजनों से ग्रस्त विश्व में भारत शांति और संयम की आवाज है ।

भारत की अध्यक्षता ने ग्लोबल साउथ की आवाज को जी-20 की चर्चा के केंद्र में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी अध्यक्षता की शुरुआत में, भारत ने जनवरी 2023 में वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की जिसमें 125 देशों के नेतृत्व ने भाग लिया। ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं और अपेक्षाओं को जी 20 एजेंडा में शामिल किया गया।

शिखर सम्मेलन की घोषणा में निर्धनता उन्मूलन, जलवायु वित्त, ऋण संबंधी समस्याओं से निपटने, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास सहित विकासशील देशों के हितों से संबंधित विषयों को प्रमुखता दी गई।

माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल के कारण अफ्रीकी संघ को G20 के स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। विश्व के शीर्ष नेतृत्व को राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सम्मान देते देखना एक अद्भुत दृश्य था। उन सभी

ने महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित शांति और अहिंसा के सार्वभौमिक विचार और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता को स्वीकार किया।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने स्वयं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सुधार करने और उनमें समय के अनुसार बदलाव लाने का पुरजोर समर्थन किया। इस विभाजित विश्व में स्थिरता, वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक बहुपक्षवाद के लिए यह महत्वपूर्ण है।

माननीय सदस्यगण, जी-20 का दृष्टिकोण अर्थ-केन्द्रित न रहकर अब व्यापक रूप से मानव केन्द्रित हो गया है। सतत विकास लक्ष्यों को साकार करने, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में सुधार करने, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना करने, हरित विकास समझौते को प्रोत्साहित करने, महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्रोत्साहित करने, डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल करने, पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका को मान्यता दिए जाने जैसे विषयों को जो

प्राथमिकता दी गई है, वह सराहनीय है। जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख परिणामों में अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को अधिक सक्रिय करना, विकास के लिए अधिक संसाधनों की उपलब्धता, पर्यटन का विस्तार, विश्व स्तर पर कार्य के अवसर, मोटे अनाज के उत्पादन और उपभोग के माध्यम से सुदृढ़ खाद्य सुरक्षा, कौशल की कमी और गतिशीलता की समस्या का समाधान करना, ग्लोबल वैल्यू चेन की मैपिंग, एमएसएमई की सहायता करना और जैव-ईंधन के लिए प्रतिबद्धता शामिल है। इनका लाभ पूरे देश को प्राप्त होगा। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरीडोर और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का शुभारंभ अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन पहलों से एक कनेक्टेड भविष्य की नींव रखी गई हैं जिसमें आगे भी भारत की महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी। पर्यावरण समर्थन के लिए LiFE संबंधी उच्च स्तरीय सिद्धांतों को अंगीकृत किये जाने और जलवायु संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु वित्त और निवेश में बड़े

पैमाने पर वृद्धि की आवश्यकता को विकसित देशों द्वारा स्वीकार किए जाने से इस क्षेत्र में भारत का नेतृत्व स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुआ। भारत की अध्यक्षता में महिलाओं और आपदा जोखिम को कम किए जाने के बारे में नए G-20 कार्य समूहों के गठन के साथ-साथ स्टार्ट-अप पर एक नए G-20 ग्रुप की स्थापना के रूप में एक नई उपलब्धि दर्ज की गई है। खाद्य सुरक्षा के संबंध में डेक्कन उच्च स्तरीय पहल, भूमि संबंधी पहल पर गांधीनगर रोडमैप, पर्यटन के विषय पर गोवा रोडमैप, नीली और महासागरीय अर्थव्यवस्था पर चेन्नई उच्च स्तरीय पहल और काशी सांस्कृतिक पथ से आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों में विश्व का मार्गदर्शन होगा और हमारे देशवासी गौरवान्वित होंगे। अगले माह, हमारी संसद को हमारे जी-20 अध्यक्षता के क्रम में पार्लियामेंट पी-20 फोरम की मेजबानी करने का सम्मान मिलेगा।

मैं इस प्रतिष्ठित सभा के प्रत्येक माननीय सदस्य से अनुरोध करता हूँ कि वे लोकतंत्र की जननी भारत की भूमि पर पूरे विश्व का

स्वागत करने और ‘वसुधैव कुटुंबकम – एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य’, के मिशन को आगे बढ़ाने में शामिल हों।

मुझे विश्वास है कि यह सभा इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व की सराहना करने, भारत के लोगों का उत्साह बढ़ाने और सभी संगठनों और व्यक्तियों के योगदान की सराहना करने में मेरा साथ देगी।